

9. 13, 14. NĪLAK. 56. 89. — Eine Nebenform von 1. भां.

— caus. aor. **अवभासत्** und **अवबीसत्** P. 7, 4, 3. *leuchten machen, beleuchten, erhellen*: भासयतीमान् लोकान् MAITREJUP. 6, 7. MBH. 3, 1668. 11861. 6, 3179. 5111. 8, 556. 11, 721. 13, 7375. HARIV. 1318. 1324. 1331. 6548. 13249. R. 5, 11, 2. 14, 32. RAGH. 9, 17. ŚRĪJAS. 13, 12. KATHĀS. 29. 40. VID. 3. MĀRK. P. 16, 85. 63, 6. 97, 14. LA. (II) 89, 12. VERZ. d. Oxf. H. 28, 6, 17. Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 304, Cl. 14. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 112. med.: न तद्भासयते सूर्यो न शशाङ्को न पावकः BHAG. 13. 6. 12. MBH. 3, 182. 9, 2010. pass.: देहो धीस्थवीवेन भासयते VERZ. d. Oxf. H. 222, 6, 27. भासित ebend. MBH. 2, 1334. 7, 7619. KATHĀS. 43, 12. MĀRK. P. 63, 5. उदितेन विमलज्ञनेन सद्भासितः CAT. 2, 659. *erscheinen machen, zeigen*: अवभासन्स्वकाः शक्तीः BHATT. 13, 42. 111. इत्येवमादीनामभासयत्येकधा चितिः BĀLAB. 4. विभक्तभावेन भासयति VERZ. d. Oxf. H. 238, 6, 19.

— अव med. *scheinen, leuchten*: स तेजसा सूर्यं स्वावभासते MBH. 3, 1091. 1, 1253. BHAG. P. 5, 23. 2. भासित *scheinend, leuchtend*: सोम MBH. 12, 13221. *erscheinen, sich den Augen darstellen* SPR. 678. SUÇR. 1, 104, 7. नभो नेत्रैरिवावृत्तम् । नन्त्रतराग्रहणं ज्योतिर्भिरवभासते ॥ R. 1, 33, 16. यत्रेदमादर्शं स्वावभासते BHAG. P. 4, 24, 41. 29, 69. 5, 26, 28. BĀLAB. 17. प्राक्सर्गादिक एतस्मिन्बहुधा यो ऽवभासते VERZ. d. Oxf. H. 181, 6, No. 413. एतन्नयं तत्तापःपिण्डवदेकवेनावभासमानम् *als einfach erscheinend* VEDĀNTAS. (Allah.) No. 94. CAṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 16. — caus. *beleuchten, erhellen*: वैवस्वतो धर्मराज्ञो विमानेनावभासयन् । त्रैलोक्यान् MBH. 3, 1674. 12, 8345 (अवभासयत् mit der ed. Bomb. zu lesen). 13, 4088. CAṆK. zu BRH. ĀR. UP. S. 60. BHAG. P. 5, 1, 8. 30. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 112. अवभासित MBH. 4, 1776. 3, 2525. 7, 6672 (अवभासिता mit der ed. Bomb. zu lesen). 7601. 7605. दीपैस् st. दीपैस् mit der ed. Bomb. zu lesen). 12, 13361. R. 4, 2, 9. 5, 20, 18. SUÇR. 1, 34, 16. KATHĀS. 33, 112. 43, 312. ÇIC. 9, 37. सर्ववर्णानवभासयति *lässt erscheinen* SUÇR. 1, 326, 3. — Vgl. अवभास fgg.

— आ med. *erscheinen wie* (इव): सा वेदिवेदसंपन्नैर्देवद्विजमहर्षिभिः । आवभासे समाकीर्णा नन्त्रैर्यारिवायता ॥ MBH. 2, 1313. 8, 204. RAGH. 7, 40. 60. 14, 12. 16, 41. KUMĀRAS. 7, 3. KATHĀS. 43, 339. — caus. *bescheinen*: एष हि व्यापृथिव्यावाभासयति NĪR. 7, 23. आभास्य MĀRK. P. 103, 18 fehlerhaft für आभाष्य. — Vgl. आभास् fgg.

— उद् *aufleuchten, zu scheinen beginnen*: अग्निराशिरिवाद्भासन्समिद्धः MBH. 1, 1241. उद्भासद्वा चन्द्रः R. 3, 29, 10. उद्भासितश्च (so mit der ed. Bomb. zu lesen) सविता MBH. 13, 7302. *in die Augen fallen, auffallen*: उद्भासते सृज्जनबिन्दुवत्कुम्भे वस्त्रे यद्वेत्तिकत्वेषं वः 3, 728. — caus. *erleuchten, erhellen*: लोकानुद्भासयति HARIV. 2031. रविकिरणोद्भासिता VARĀH. BṢH. S. 30, 20. 32, 21. 43, 3. PAÑĀK. 4, 3, 30 (उद्भासित gedr., hervortreten lassen): रञ्जनद्रवेणोद्भासितम् (चित्रम्) MALLIN. zu KUMĀRAS. 1, 2. *verherrlichen, verschönern*: काले घनोद्भासिते MRĀKṢ. 86, 18. गोत्रमुद्भासितं मे 139, 2. उद्भासितं मङ्गलसंविधाभिः संवन्धिनः सन्न RAGH. 7, 16. उद्भासिताखिलखल SPR. 466. — Vgl. उद्भास fgg.

— निम् caus. *erhellen*: ततो निर्भासितं त्रयं तेजसा संकृतेन वै HARIV. 390. निर्भासित als Erkl. von दीप्त MED. I. 23.

— परि med. *erscheinen*: स एष कनीनकः कुमारक इव परिभासते CAT. BR. 3, 1, 2, 11. — caus. *verschönern, schmücken*: परिभासित VERZ. d. Oxf. H. 72, a, 24.

V. Theil.

— प्र *leuchten, glänzen*: प्रभासते यथा सोमः MBH. 3, 5005. प्रभासत्तं भानुमत्तं मरुत्तं यथादित्यम् 17090. प्रभासत्तं मरुत्तं स्थितं मेरुमिवापरम् 8, 2202. दत्तैः प्रभासद्भिः HARIV. 6618. 9013. श्रिया च त्रयेण च विक्रमेण च प्रभासते त्वं नृवरो नरेष्विव *erscheinst* MBH. 4, 238. — caus. *erleuchten, erhellen*: यथा हि दिवि दीप्तिषुः प्रभासयति तेजसा MBH. 1, 6532. प्रभासयसि तं देशं द्वितीय इव भास्करः R. 4, 43, 50. MBH. 9, 2052. प्रभासितमिवाकाशम् 4, 1776. — Vgl. प्रभास fgg.

— प्रति med. *erscheinen, sich darstellen, sich offenbaren*: बह्वः प्रत्यभासत्तं वध्यास्तस्योद्यतक्रुधः RĀGA-TAR. 4, 380, 6, 327 (प्रत्यभासत् beide Ausg.). SPR. 4232. तानाखिन प्रतिभासमानजीवगताज्ञानानाम् VEDĀNTAS. (Allah.) No. 23. यच्च पश्यसि तत्रैकस्त्वमेष प्रतिभाससे ASHTĀV. 13, 14. प्रज्ञा न बाह्ये विषये प्रतिभासते NĪLAK. 222. मम तेन (पाण्डित्येन) विना ह्येषा लक्ष्मीर्न प्रतिभासते *hat kein Ansehen* KATHĀS. 6, 143. — Vgl. प्रतिभास fgg.

— वि *scheinen, leuchten*; act. AV. 13, 4, 7. यथा हिरण्यतेजसा विभासंसि जज्ञौ म्रुनु 19, 26, 23. med.: सिद्धिशैला विभासते CAT. 1, 35. मणिः SPR. 593. सा त्रियमा तदार्तस्य चन्द्रमण्डलमण्डिता । राज्ञो विलपमानस्य न व्यभासत शर्वरो ॥ *wurde für ihn nicht hell* R. 2, 13, 10. — caus. *erhellen*: विभासितः सूर्यमरीचिना दृढं शिरोगतेनोदयपर्वतो यथा MBH. 8, 4667.

— निर्वि caus. *erhellen*: स लोकास्तेजसा सर्वान्स्वभासा निर्विभासयन् MBH. 12, 13912.

भास 1) m. = भास् *Licht, Glanz* H. an. 2, 585. MED. s. 6. Viçva im ÇKDR. भासैः प्रभाकरस्थानमिव यद्भाति भासुर्म् (पुरम्) KATHĀS. 33, 21. am Ende eines adj. comp.: शिरस्त्राणौ चार्कसमानभासम् MBH. 7, 74. चन्द्रनन्त्रभासैश्च वदन्तैः 8, 2889. पक्व° (पक्वनाम die neuere Ausg.) von Viçva HARIV. 14119. — 2) m. ein best. Raubvogel, = विद्रुगविशेष MED. = शकुन्त AK. 3, 4, 44, 60. H. 1338. II. an. HAL. 2, 92. = गृध्र H. an. Viçva. = कुक्कुट ders. = नीलपक्षः पक्षी Schol. zu MBH. 1, 5277. — ADBH. BR. 6, 8 in Ind. St. 1, 40. श्येनभासा M. 11, 135. JĀG. 1, 127. 3, 272. MBH. 1, 5277. fg. 6, 62. 12, 1315. HARIV. 3390 (भाष in der älteren Ausg.). R. 4, 38, 30. SUÇR. 1, 24, 7. 75, 1. 108, 3. 202, 13. Viçva. 1, 6, 50. BHAG. P. 3, 10. 23. 5, 24, 6. 8, 10, 10. PAÑĀK. 137, 3. VERZ. d. B. H. No. 897. VERZ. d. Oxf. H. 86, 6, 37 (भाष). Hierher wohl auch भासविलाससंज्ञाद् ebend. 354, a, 32. VERZ. d. B. H. 193, 13. भासा f. die Urmutter der Bhāsa ist eine Tochter der Tāmra MBH. 1, 2620. fg. HARIV. 222. fg. R. 3, 20, 18. fg. VP. 148. MĀRK. P. 104, 8. — 3) m. Kuhstall. Kuhlürde (गोष्ठ) Viçva. — 4) m. oxyt. N. eines Sāman TBH. 1, 2, 4, 3. n. Ind. St. 3, 227, b. AIR. BR. 4, 19. PAÑĀK. BR. 14, 11, 14. LĀṬ. 4, 7, 1. 6, 12, 5. ĀÇV. ÇR. 8, 6. — 5) m. N. pr. eines Mannes RĀGA-TAR. 8, 1431. 1476. 1480. 1482 u. s. w. eines dramatischen Dichters (vgl. भासक) HALL in der Einl. zu VĀS. 14. 20. VERZ. d. Oxf. H. 124, a, 42. b, 18. 142, a, 14. भासयत्यपि भासद्वा कविवर्गे जगत्त्रयीम् । के न याति निबन्धारः कालिदासस्य दासताम् ॥ SARASVATĪKĀṬHĀBH. ebend. 311, c. N. pr. eines Sohnes eines Ministers des Königs Kāndrapabha (so ist auch u. प्रभास zu verbessern) KATHĀS. 44, 25. 143. 43, 379 (बास gedr.). N. pr. eines Dānava 47, 25. — 6) m. N. pr. eines Berges MBH. 14, 1174. — 7) f. ई a) die Urmutter der Bhāsa s. u. भास 2. — b) N. pr. einer Tochter der Prādhā MBH. 1, 2554. — 8) n. s. u. 4. — Vgl. चन्द्र°, पूषभासा°. बह्दभास.

भासक 1) adj. (vom caus. von 2. भास्) am Ende eines comp. *erschei-*